Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	05
Date	25th June 2021

पंजाब केसरी

मुंबई व बेंगलुरु की तुलना में गुरुग्राम कोविड-19 युग में रहने के लिए सबसे उपयुक्त शहर

दिल्ली से अपनी उत्कृष्ट कनैक्टिविटी के कारण हॉट स्पॉट के रूप में उभरा गुरुग्राम

गुरुग्राम, 24 जून (स.ह.): कोविड-19 महामारी ने इस तथ्य को स्थापित कर दिया है कि घर जैसी कोई जगह नहीं है और किराए के घर में असुरक्षा के साथ रहने की अपेक्षा अपना घर चाहता है।

भारत ने 2021 तक एक आशाजनक शुरूआत देखी जब तक कि कोविड-19 महामारी ठीक होने की राह की पटरी से नहीं उतर गई। महामारी ने भलाई और प्रकृति के साथ एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया है। इसने असुरक्षा के साथ किराए के आवास में रहने की बजाय घर का मालिक होने के महत्व की भी पुष्टि की है।

स्क्वायर यार्ड्स की उपयुक्तता सूचकांक शीर्षक वाली एक रिपोर्ट के अनुसार मुंबई और बेंगलुरु की तुलना में गुरुग्राम कोविड-19 युग में रहने के लिए सबसे उपयुक्त शहर है। सूचकांक जनसंख्या घनत्व, खुले क्षेत्र के अनुपात और अस्पतालों की संख्या के आधार पर भारतीय शहरों की उपयुक्तता निर्धारित करता है।

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से दिल्ली से अपनी उत्कृष्ट कनैक्टिविटी के कारण गुरुग्राम एक रियल्टी हॉट स्पॉट के रूप में उभरा है। यहां मानेसर (हरियाणा) और नीमराणा (राजस्थान) के माध्यम से भी पहुंचा जा सकता है।

कम जनसंख्या घनत्व, कम जनसंख्या स्तर, जीवंत स्वास्थ्य, सामाजिक बुनियादी ढांचा, खुले स्थान का अनुपात और बेहतर रहने योग्य सूचकांक सहित स्थायी कारकों के कारण गुरुग्राम आवासीय खंड में अगले गंतव्य के रूप में उभरा है। महामारी ने एक आधुनिक घरेलू उपभोक्ता की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं को काफी हद तक बदल दिया है जो अब निवेश में निर्णय लेते समय स्वास्थ्य, कल्याण, आराम, विलासिता और समग्र कल्याण को प्राथमिकता देता है। वैश्विक मानकों से मेल खाने वाली विश्वस्तरीय सुविधाओं के मिश्रण के साथ पर्याप्त हरे-भरे स्थान, आगामी बैंचमार्क परियोजनाएं, आर्थिक गलियारों का विकास, निर्बाध कनैक्टिविटी और द्वारका एक्सप्रैस-वे से लिंक विकास उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर रहे हैं जो गुड़गांव को देश के सबसे अच्छे रहने योग्य शहरों में से एक बनाने के लिए तैयार हैं ।

गुरुग्राम में प्रकृति, अत्याधुनिक सुविधाओं और मनोरंजन के प्रावधान के साथ एक प्रीमियम जीवनशैली सुनिश्चित करने के लिए सभी सामग्रियां हैं। इसके अतिरिक्त नई औद्योगिक नीति जैसी नीतियों के माध्यम से हरियाणा सरकार द्वारा धक्का और व्यवसाय करने में आसानी में सुधार भी इसे एन.सी.आर. में एक मांग वाला आवासीय हॉट स्पॉट बना देगा।

महामारी की विषम परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए पब्लिक, प्राइवेट और गवर्नमैंट पार्टनरशिप जो मॉडल सामने आया वह सफल रहा। इसमें व्यक्तिगत और

संस्थागत प्रयास का बहुत बड़ा योगदान है। हमने तुरंत कोविड केयर सैंटर का प्लान किया व कम से कम समय में सैंटर स्थापित कर सेवाएं शुरू कर दीं। सरकारी प्रयासों को आगे बढ़ाने में निजी संस्थाओं ने जो हाथ बंटाया है उसी का परिणाम है कि आज गुरुग्राम की स्थिति करीब-करीब सामान्य हो गई है।

-डा. पायल कनोडिया ट्रस्टी एम.थ्री.एम. फाऊंडेशन

गुरुग्राम भले ही संक्रमण के लिहाज से संवेदनशील था, बावजूद इसके यहां रिकवरी रेट उससे भी ज्यादा तेज था। यही वजह

है कि रिहायश व सुरक्षा के लिहाज से यह प्रदेश में सबसे विश्वसनीय बना हुआ है। सैन्ट्रल पार्क सहित सरकारी व निजी संस्थाओं द्वारा महामारी काल में एकजुट होकर किए गए कार्य इसकी सफलता का प्रतीक है।

-अमरजीत बख्शी, सी.एम.डी. सैन्ट्रल पार्क

रिहायश व सुरक्षा दोनों लिहाज से गुरुग्राम प्रदेश में काफी बेहतर रहा है। महामारी काल में निजी से लेकर

औद्योगिक क्षेत्रोंद्वारा विशेष योगदान दिया गया जिससे महामारी को हराने में सफलता मिली। संकट की इस घड़ी में सभी ने एकता का परिचय भी दिया है।

-पवन यादव, अध्यक्ष आई.एम.टी. इंडस्ट्रीज एसो.

महामारी का खौफ भले ही शहर के लोगों में रहा हो लेकिन लोगों के आत्मविश्वास तथा प्रशासनिक

प्रयासों ने सामूहिक रूप से इसे मात देने में सफलता पाई है। हमेशा गुलजार रहने वाला शहर एक बार फिर तेजी से पटरी पर लौटने लगा है।

-के.के. गांधी, अध्यक्ष सैक्टर-37 औद्योगिक क्षेत्र